आओ खोजें, भिन्न भिन्न आकार

रविवार को सब गए खेत पर घूमने को,
घूमते हुए कहा गया था सब्जी एकत्र करने को ।

गाजर लाया मोती, खोदकर भुरभुरी मिट्टी,
सिरे थे उनके शंकु सरीखे, हरी-हरी थीं पत्तियाँ ।

यश लाया बैंगन और टमाटर लाल खट्टे,
टमाटर थे गोले जैसे और थे बैंगन लंबे ।

तोड़ लता से रमा लाई हरी-हरी कुछ ककड़ी,
कुछ बेलन के आकार की, कुछ बीच में अँकड़ी ।

पेड़ पर चढ़कर गंपू भी लाया था कुछ इमली,
लहसुन मिला खुशी को तब, सब लगे बजाने डफली ।

पिता जी ने सब्जी की तैयार और माँ ने सेंकी रोटी,
पेड़ के नीचे खाते समय ही, लगी नाचने छोटी ।

6XP3YZ